ईसू को हरग नीरबो

JESUS ASCENDS TO HEAVEN

Merwari

ईसू को हरग नीरबो

JESUS ASCENDS TO HEAVEN

Images by © 2021 Sweet publishing.
Translated and Edited By Utsav K. D.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-12)

प्रकाशनः-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें प्रभु यीशु मसीह के स्वर्गारोहण के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

ईसु जद मरर जन्दो हेज्यो।
तो ईसु मरियम नाऊँ कि
लुगाई न दिच्यो।
ऐर बा चेलँ न बी ईसु का
बारा म बतई।

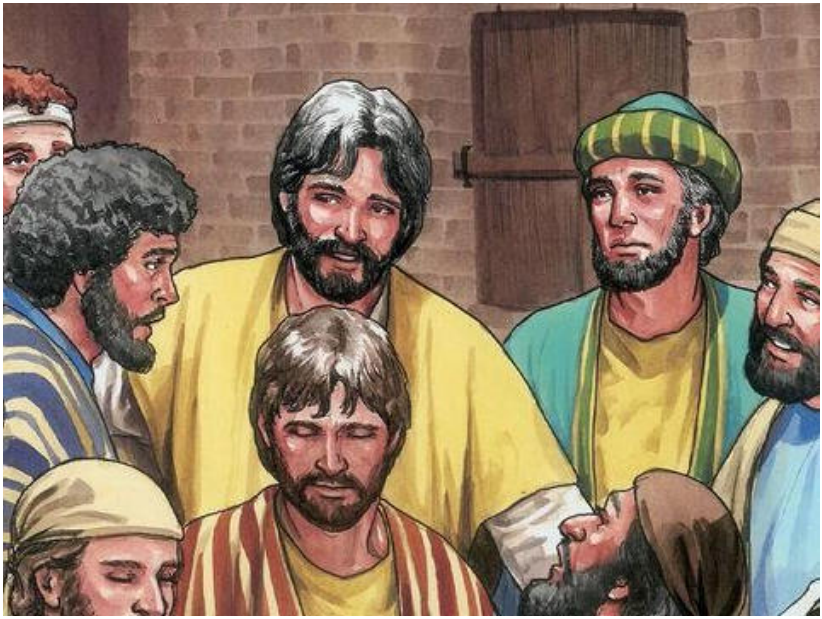

ईसु चाळिस दन ति
चेलँ न दीच्यो।
ऐर ब्यानअ नरि आरि
बातँ हकाई।

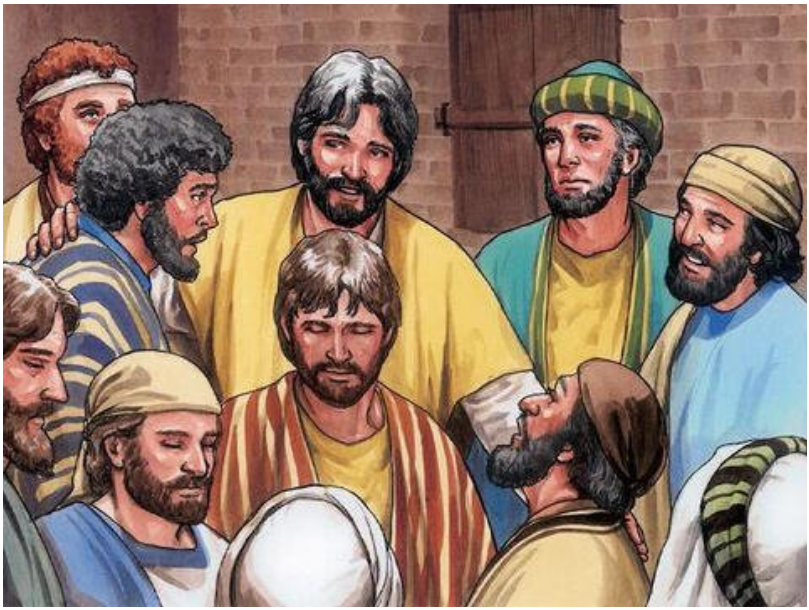

ईसु ब्यानअ
अग्या
दिदि,यरूसलेम
न मत छोडज्यो।

बी पचँ बे डुंगर परँ
गिया।ऐर ईसु चेलँ न
कियो
हरग ऐर धरति परँ हगळो
हक मन दियोड़ो हे।

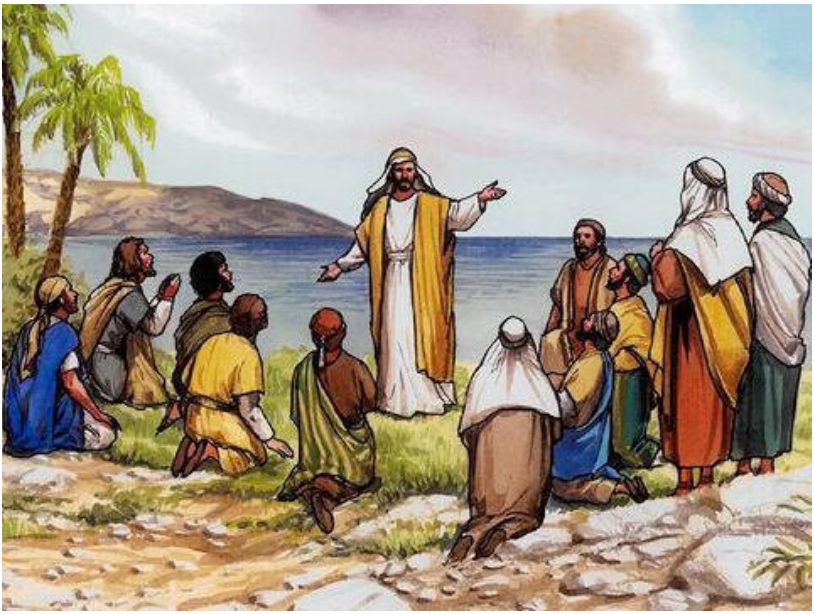

थे जावो ऐर देस-देस का मनकँ न चेला बणावो।

ऐर बापू परमेसर,पुत ईसु,पुवितर-आत्मा का नाऊँ ऊँ बपतिस्मो ज्यो।

ऐर दनियाँ का खतम हेबाति मूँ थाँके लेर हूँ।

यान केर बो ब्याके देकते
देकते हरग म झेलनि
आज्यो
ऐर बादळा बीनअ ब्यांकि
आँच्यँऊँ छपालियो।

पच दो मनक धोळा
गाबा पेर्योड़ा बटे
आया।
बे दोञ्यु ब्यानअ
कियो।

ज्यान थे ईसु न हरग
म जातोड़ान देकर्या
हो।
ब्यानई बो पाचो
आई।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक
विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®